# कलकत्ता चेंबर्स ऑफ कामर्स की बैठक में देश के मौजूदा आर्थिक हालात पर चर्चा

## वैश्विक मंदी के बावजूद निर्यात का प्रदर्शन अच्छा : किशन कुमार केजरीवाल

युवा शक्ति न्यूज

**कोलकाता ।** आज कोलकाता में कलकत्ता चेंबर्स ऑफ कामर्स की एक बैठक हुई. कलकत्ता चेंबर्स ऑफ कामर्स के अध्यक्ष किशन कुमार केजरीवाल ने स्वागत भाषण दिया. उन्होंने कहा कि हमारे व्यापार बिरादरी के सबसे सम्मानित नेता, हमारे नागरिक समाज के नेता और राजनयिक कोर के वरिष्ठ सदस्य हैं, जिनकी उपस्थिति विशेष अर्थ जोड़ती है. उन्होंने कहा कि 1830 में स्थापित कलकत्ता चैंबर ऑफ कॉमर्स, भारत और एशिया में सबसे पुराना वाणिज्य व इंडस्ट्री एसोसिएशन है. वैश्विक आर्थिक मंदी और मंदी की चिंताओं के संदर्भ में भारत में आर्थिक विकास मजबूत बना हुआ है. राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा जारी अनंतिम राष्ट्रीय आय आंकड़ों के अनुसार, जनवरी से मार्च 2023 तिमाही में जीडीपी की वृद्धि बढ़कर 6.1% हो गई, जिससे 2022-23 में अर्थव्यवस्था की वृद्धि 7.2% हो गई. उन्होंने मौजूदा अर्थव्यवस्था पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए अपने जीडीपी वृद्धि अनुमान को 6.5 पर बरकरार रखा है. इसके अलावा वैश्विक मंदी के बावजूद निर्यात का प्रदर्शन अच्छा रहा. उन्होंने कहा कि अप्रैल'22 और फरवरी'23 के बीच भारत के सेवा निर्यात में 30% की भारी वृद्धि हुई. पिछले दशक में भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्रवाह में तेजी भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए मजबूत दीर्घकालिक विकास दृष्टिकोण को दर्शाती है. भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए दीर्घकालिक दृष्टिकोण को कई प्रमुख विकास चालकों का समर्थन प्राप्त है. भारत के लिए एक महत्वपूर्ण सकारात्मक कारक इसका बड़ा और तेजी से बढ़ता मध्यम वर्ग है, जो उपभोक्ता खर्च को बढ़ाने में मदद कर रहा है. तेजी से बढ़ते भारतीय घरेलू उपभोक्ता बाजार के साथ-साथ इसके बड़े औद्योगिक क्षेत्र ने भारत को विनिर्माण, बुनियादी ढांचे और सेवाओं सहित कई क्षेत्रों में बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए एक महत्वपूर्ण निवेश गंतव्य बना दिया है. भारत में वर्तमान में चल रहे डिजिटल परिवर्तन से ई-कॉमर्स के विकास में तेजी आने की उम्मीद है, जिससे अगले दशक में खुदरा उपभोक्ता बाजार परिदृश्य बदल जाएगा. यह प्रौद्योगिकी और ई-कॉमर्स में अग्रणी वैश्विक बहुराष्ट्रीय कंपनियों को भारतीय बाजार की ओर आकर्षित कर रहा है. अमृत काल के दौरान केंद्रीय बजट में भारत को मजबूत सार्वजनिक वित्त और एक मजबूत वित्तीय क्षेत्र के साथ एक प्रौद्योगिकी-संचालित और ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था बनाने की कल्पना की गई. इस दृष्टिकोण को प्राप्त करने के लिए आर्थिक एजेंडा तीन चीजों पर केंद्रित है और वे हैं नागरिकों, विशेषकर युवाओं को उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करना, दूसरा, विकास और रोजगार सृजन को मजबूत प्रोत्साहन प्रदान करना और अंत में व्यापक आर्थिक स्थिरता को मजबूत करना है. बैठक में नीति आयोग के सदस्य डॉ. अरविंद विरमानी, बैंकिंग, वित्त और आर्थिक मामलों की समिति के पूर्व अध्यक्ष आर.के. जालान, संगठन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष हरि शंकर हलवासिया आदि ने हिस्सा लिया. इस मौके पर मातादीन प्रसाद भूरेका, पुरुषोत्तम अग्रवाल, प्रमोद हलवासिया, राजू खंडेलवाल के अलावा और भी गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही.